माननीय प्रधानाचार्य जी और मेरे सभी शिक्षक, यहाँ पर उपस्थित सभी गणमान्य लोगों और मेरे बहनो और भाइयों। आज का दिन हम सब के लिये बहुत ही ख़ुशी का दिन है।

हम सभी इस दिन को उत्सव की तरह मनाते हैं, इसलिए सर्वप्रथम आप सब लोगों को 74 वे गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

जैसा कि आप सब जानते हैं कि आज ही के दिन सं 1950 में हमारे देश का संविधान लागू हुआ था, इसलिये आज के दिन को पुरे भारतवर्ष में पुरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, लेकिन देश को अंग्रेजों के हाथों आज़ाद कराने और देश में लोकतंत्र स्थापित करने के लिये तमाम क्रांतिकारियों ने अपने प्राण न्योछावर कर दिये।

लेकिन क्या हम सही मायने में आज़ाद हैं, जिस भारत को संवारने के लिये देश के वीरों ने अपने प्राण दे दिये, क्या वह भारत संवर चुका है, क्या हम भ्रष्टाचार से आज़ाद हो चुके हैं, क्या हम कुरीतियों से आज़ाद हो चुके हैं, क्या हम ऊंच - नीच, जातिप्रथा, गरीबी, भ्रूणहत्या से आज़ाद हो चुके हैं.....नहीं....तो आज एक प्राण लीजिये हम इस कुरीतियों से आज़ाद होंगे, यही सच्चे मायने में हमारा शहीदों के प्रति सम्मान होगा।

**जय हिंद जय भारत**